AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

नेट जेआरएफ में लविवि के 200 से अधिक छात्र सफल

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। यूजीसी की ओर से आयोजित नेट जेआरएफ की परीक्षा का शुक्रवार को परिणाम जारी हुआ। इसमें लविवि के 200 से अधिक विद्यार्थियों ने सफलता पाई।

प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि इनमें से 40 से अधिक ने जेआरएफ (जूनियर रिसर्च फेलोशिप) के लिए क्वालीफाई किया है। अब इन्हें शोध के दौरान फेलोशिप भी दी जाएगी।

उन्होंने बताया कि नेट जेआरएफ में सफलता पाने वालों में सबसे ज्यादा 43 विद्यार्थी समाज शास्त्र विभाग के हैं। शिक्षा शास्त्र के 24, राजनीति विज्ञान के 20,समाज कार्य के छह, प्राचीन भारत इतिहास के तीन, मनोविज्ञान के पांच, हिंदी के 17, व्यवहारिक अर्थशास्त्र के छह, पत्रकारिता के पांच, मध्यकालीन और आधुनिक इतिहास के पांच, अंग्रेजी के 17, अर्थशास्त्र के 12, दर्शन शास्त्र के दो, वाणिज्य के 12, लोक प्रशासन के दो एवं ललित कला विभागों के सात छात्र समेत अन्य विभागों के विद्यार्थी भी हैं। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने इन्हें शुभकामनाएं दीं।

आत्मा और जीवन के बीच समझाया अंतर

लखनऊ। लविवि के दर्शनशास्त्र विभाग में शनिवार को आत्मा के तात्विक, मनोवैज्ञानिक और अध्यात्मिक विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया। कार्यक्रम में शोधछात्रा शीतल शर्मा ने भारतीय दर्शन में आत्मा के वास्तविक स्वरूप पर चर्चा की। इसके साथ ही आत्मा के भौतिक, आध्यात्मिक एवं मनोवैज्ञानिक स्वरूप को उदाहरणों से समझाने का प्रयास किया। मौके पर विभागाध्यक्ष डॉ. रजनी श्रीवास्तव, प्रो. राकेश चंद्रा , डॉ. प्रशान्त शुक्ला, और डॉ. राजेश्वर यादव आदि थे। (संवाद)

समस्या से बचने के बजाय हल निकालना बेहतर विकल्प

माई सिटी रिपोर्टर

आईआईएम तिरुचिरापल्ली के निदेशक लविवि के आईएमएस पहुंचे

लखनऊ। भारतीय प्रबंध संस्थान, तिरुचिरापल्ली के निदेशक प्रो. पवन कुमार सिंह ने शनिवार को कहा कि किसी समस्या से बचकर निकल जाने के मुकाबले उसका समाधान करना ज्यादा बेहतर विकल्प है। ऐसा करके ही स्थायी सफलता हासिल की जा सकती है। प्रो. पवन लखनऊ विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज में आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे।

विद्यार्थियों से संवाद करते प्रो. पवन कुमार सिंह। -संवाद

छात्रों को उन्होंने कार्यस्थल की मजबूत और कमजोर संस्कृति के बारे में बताया। उनके अनुसार कार्यस्थल पर कमजोर नियम कमजोर संस्थान को दर्शाते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि किसी साक्षात्कार में सवाल का जवाब न पता होने पर तुक्का मारने से बेहतर है कि स्पष्ट रूप से मना कर देना। ऐसा करने से साक्षात्कारकर्ता पर अच्छा प्रभाव पड़ता है। प्रो. सिंह ने आईएमएस के संकाय सदस्यों को भी संबोधित किया और उन्हें शिक्षण, प्रशिक्षण, अनुसंधान, परामर्श और शैक्षणिक प्रशासन पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित किया। इससे पहले आईएमएस की ओएसडी प्रो. विनीता काचर ने प्रो. पी. के. सिंह का स्वागत किया। डॉ. अमिताभ रॉय ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

HINDUSTAN PAGE 7

यूजीसी-नेट और जेआरएफ परीक्षा में लहराया परचम

250 से अधिक छात्रों ने सफलता पाई

■ एलयू के 38 छात्रों ने जेआरएफ निकाला

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय के कला संकाय के 250 से अधिक परास्नातक छात्रों ने दिसंबर 2022 में हुई राष्ट्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा (नेट-जेआरएफ) परीक्षा में सफलता प्राप्त की है। यूजीसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों से पीएचडी करने के लिए उच्च योग्यता वाले छात्रों को जूनियर रिसर्च फेलोशिप भी देता है।

विश्वविद्यालय के 38 छात्रों ने जेआरएफ व 250 से ज्यादा छात्रों ने यूजीसी नेट क्वालीफाई किया है। यूजीसी नेट क्वालीफाई करने वाले विद्यार्थी अब सहायक प्रोफेसर के रूप में उच्च शिक्षण संस्थान में तैनाती के लिए तैयारी करेंगे। शिक्षाशास्त्र की हिरा कुदसिया (99.76%), प्राचीन भारत इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के अनिकेत सिंह (99.64), मध्यकालीन और आधुनिक इतिहास की अनन्या गुप्ता (99.41) और अंग्रेजी विभाग की विनीता राय (99.37%) परीक्षा में शीर्ष स्थान पाने वालों में शामिल रहीं। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि सबसे अधिक 43 छात्र समाजशास्त्र विभाग से हैं इसमें दस जेआरएफ व 33 छात्रों ने नेट क्वालीफाई किया है। इसके बाद शिक्षाशास्त्र से 24 और राजनीति विज्ञान विभाग से 20 विद्यार्थी शामिल हैं। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन ने सफल छात्रों और उनके शिक्षकों को बधाई दी।

हिंदी व अंग्रेजी से 17-17 छात्रों ने किया क्वालीफाई: एलयू के हिंदी और अंग्रेजी विभाग से 17 छात्रों ने नेट-जेआरएफ परीक्षा में सफलता प्राप्त की है। वहीं हिंदी से चार विद्यार्थियों ने जेआरएफ के लिए भी क्वालीफाई किया है। वहीं वाणिज्य व अर्थशास्त्र विभाग से भी क्रमशः 13 व 12 विद्यार्थियों ने क्वालीफाई किया है। वहीं समाज कार्य से छह, प्राचीन भारत इतिहास से तीन, मनोविज्ञान से पांच, व्यावहारिक अर्थशास्त्र से छह, पत्रकारिता से पांच और शारीरिक शिक्षा से एक छात्र को सफलता मिली है। अन्य विषयों से भी सफलता पाई है।

NBT PAGE 4

नेट-जेआरएफ में एलयू का दबदबा

250 छात्रों ने क्वालीफाई किया, सबसे ज्यादा समाजशास्त्र विभाग से

■ एनबीटी सं, लखनऊ : लखनऊ यूनिवर्सिटी के 250 स्टूडेंट्स ने नेट और जेआरएफ में बाजी मारी है। नेट में 210 स्टूडेंट्स तो जेआरएफ में 40 स्टूडेंट्स ने क्वालीफाई किया है। इनमें भी सबसे अधिक समाजशास्त्र विभाग से स्टूडेंट्स शामिल हैं। डीएसडब्ल्यू पूनम टंडन ने शनिवार को बताया कि समाजशास्त्र विभाग से 43, समाज कार्य से 6, प्राचीन भारत इतिहास से 3, मनोविज्ञान से 7, हिंदी से 17, व्यवहारिक अर्थशास्त्र से 6, पत्रकारिता से 5, शारीरिक शिक्षा से 3, मध्यकालीन और आधुनिक इतिहास से 5 स्टूडेंट्स का नेट और जेआरएफ क्लियर हुआ है। इसके अलावा फारसी से 1, पश्चिमी इतिहास से 1, संस्कृत से 4, भूगोल से 10, राजनीति विज्ञान से 23, अर्थशास्त्र से 12, शिक्षाशास्त्र से 24, लाइब्रेरी साइंस से 6, अंग्रेजी से 17, दर्शन शास्त्र से 2, वाणिज्य से 14, सांख्यिकी से 6, विधि से 8, उर्दू से 1, लोक प्रशासन से 2 और फाइन आर्ट्स से 7 स्टूडेंट्स का नेट और जेआरएफ निकला है।

इन्होंने रोशन किया नाम

हिरा कुदसिया (99.76) अनिकेत सिंह (99.64) अनन्या (99.41) विनीता राय (99.37)

एलयू में शिक्षाशास्त्र विभाग की हिरा कुदसिया ने 99.76 प्रतिशत अंक हासिल किए हैं। वहीं प्राचीन भारत इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के अनिकेत सिंह के 99.64, मध्यकालीन और आधुनिक इतिहास की अनन्या गुप्ता को 99.41 और अंग्रेजी विभाग की विनीता राय को 99.37 प्रतिशत अंक मिले हैं। वीसी प्रो.आलोक कुमार ने क्वालीफाई करने वाले स्टूडेंट्स को शुभकामनाएं दी हैं।

अन्य संस्थानों में भी हो सकते हैं भारतीय विज्ञान कांग्रेस के कई सत्र

■ एनबीटी सं, लखनऊ : एलयू में होने वाली भारतीय विज्ञान कांग्रेस के कई सत्र शहर के प्रतिष्ठित संस्थानों में भी आयोजित किए जाएंगे। इसके लिए एलयू प्रशासन शहर के प्रतिष्ठित संस्थानों के संपर्क में है। डीएसएडब्ल्यू प्रो.पूनम टंडन ने बताया कि भारतीय विज्ञान कांग्रेस को पूरे लखनऊ से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। इसमें 14 सत्रों के अलावा 9 अन्य कार्यक्रमों को कराया जाएगा। इस संबंध में वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने आयोजक सचिव और स्थानीय सचिव के साथ बैठक भी की है। वीसी ने सीएसआईआर के इंस्टिट्यूशंस और केजीएमयू में कुछ सत्रों को कराने की योजना तैयार की है। इसके लिए इन संस्थानों से संपर्क भी किया जा रहा है। केजीएमयू में मेडिकल से संबंधित सत्रों और सीएसआईआर के संस्थानों में साइंस, ड्रग्स और कृषि से संबंधित सत्रों का आयोजन करने की योजना है। भारतीय विज्ञान कांग्रेस के तहत शिशु विज्ञान कांग्रेस, कृषक सम्मेलन, महिला विज्ञान कांग्रेस, विज्ञान संचारक सम्मेलन और विज्ञान प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी।

केजीएमयू और सीएसआईआर से किया गया संपर्क

एलयू: विज्ञान कांग्रेस में कई संस्थाओं की होगी भागीदारी

लखनऊ, संवाददाता । लखनऊ विश्वविद्यालय में होने वाली 109वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने अब तक हुई सभी आईएससी से अलग व अभूतपूर्व कराने का फैसला कर लिया है। इसके लिए "साइंस सिटी" बढ़ाई जाने वाले लखनऊ में वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद के अलग-अलग इंस्टीट्यूशंस को शामिल करने की योजना बनाई गई है।

आईएससी के तहत कुल 14 सत्र और सात अन्य कार्यक्रम कराए जाने हैं। इस संबंध में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने आयोजन सचिव प्रो. एसपी त्रिवेदी व स्थानीय सचिव प्रो. पूनम टंडन और प्रो. गीतांजलि मिश्रा के साथ बैठक की थी। जिसमें कुलपति ने कुछ सत्रों व सात कार्यक्रमों को किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी और सीएसआईआर के सीमैप, आईआईटीआर व एनबीआरआई सहित अन्य स्थानों पर कराने की इच्छा जाहिर की। जिस पर आपसी सहमति के बाद इन संस्थानों के निदेशकों से संपर्क किया गया है। अधिष्ठाता अकादमिक व आईएससी की स्थानीय सचिव प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि कृषक सम्मेलन को सीएसआईआर-सीमैप, पर्यावरण विज्ञान सत्र को सीएसआईआर-आईआईटीआर, वनस्पति विज्ञान को एनबीआरआई आदि से बात हुई है।

स्थायी संबद्धता को 30 तक मांगे प्रस्ताव

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय से सम्बद्ध लखनऊ, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, रायबरेली और हरदोई के महाविद्यालयों से बीएड पाठ्यक्रम में स्थायी सम्बद्धता के लिए 30 अप्रैल तक प्रस्ताव मांगे गए हैं।

कुलसचिव संजय मेधावी ने बताया कि सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर उत्तर प्रदेश शासन ने सहयुक्त महाविद्यालयों में बीएड पाठ्यक्रम में स्थायी संबद्धता के निस्तारण के लिए 10 मई तक का समय निर्धारित किया गया है।

एमए-एमएससी एंथ्रोपोलॉजी प्रैक्टिकल दो से

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के एंथ्रोपोलॉजी विभाग ने एमए व एमएससी के फिजिकल प्रैक्टिकल की डेट घोषित कर दी हैं । एमए, एमएससी पहले व तीसरे सेमेस्टर के प्रैक्टिकल 2 व 3 मई को सुबह साढ़े दस बजे से लिए जाएंगे। अन्य जानकारी के लिए छात्र संपर्क कर सकते हैं।

i-NEXT PAGE 4

एलयू के स्टूडेंट्स को मिली सफलता

LUCKNOW(15 April)लखनऊ यूनिवर्सिटी के आर्ट्स फैकल्टी के पीजी स्टूडेंट्स ने नेट जेआरएफ के एग्जाम में सफलता हासिल की है. स्टूडेंट्स ने न केवल असिस्टेंट प्रोफेसर बल्कि जेआरएफ में भी सफलता हासिल की है. एलयू के 200 से अधिक स्टूडेंट्स ने सफलता हासिल की है. इनमें से 170 से अधिक नेट-उत्तीर्ण कर असिस्टेंट प्रोफेसर के लिए व 40 से अधिक स्टूडेंटस असिस्टेंट प्रोफेसर के लिए अर्हता के साथ जूनियर रिसर्च फेलोशिप में सफल हुए हैं. एलयू में नेट में सफलता प्राप्त करने वाले स्टूडेंट्स में सबसे अधिक सोशियोलॉजी से सफल हुए हैं इनकी संख्या 43 हैं. शिक्षाशास्त्र की हिरा कुदसिया, प्राचीन भारत इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के अनिकेत सिंह, मध्यकालीन और आधुनिक इतिहास की अनन्या गुप्ता व अंग्रेजी विभाग की विनीता राय अव्वल स्थान पाने वालों में शामिल हैं.

मूट कोर्ट में उपभोक्ता मामलों पर चर्चा

लखनऊ। लविवि के नवीन परिसर में मूट कोर्ट एसोसिएशन ने शनिवार को राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया। राइट टू रिपेयर और कंज्यूमर प्रोटेक्शन लॉ इन इंडिया विषयक सेमिनार के मुख्य अतिथि चेयर ऑन कंज्यूमर लॉ एंड प्रैक्टिस प्रो. अशोक आर पाटिल रहे। मूट कोर्ट एसो. के शिक्षक समन्वयक प्रो. राधेश्याम प्रसाद ने ''राइट टू रिपेयर'' की महत्ता के बारे में बताया। प्रो. अशोक आर पाटिल के अलावा प्रमुख वक्ता डॉ. अमित सिंह, डॉ. गौरव पाठक, प्रो. राकेश कुमार सिंह ने विचार रखे। (माई सिटी रिपोर्टर)

नाटक लेखन में कौशल विकास पर कार्यशाला

लखनऊ। लविवि के अंग्रेजी एवं आधुनिक यूरोपीय भाषा विभाग की ओर से टैगोर पुस्तकालय सभागार में नाटक लेखन में कौशल विकास पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें विभाग की पत्रिका "रेटोरिका" के तीसरे खंड का विमोचन हुआ। मौके पर लेखक सैयद असगर वजाहत सहित छात्र-छात्राएं थे। (माई सिटी रिपोर्टर)

JAGRAN CITY PAGE IV

250 विद्यार्थियों ने उत्तीर्ण की यूजीसी-नेट

जासं, लखनऊ : विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की नेट-जेआरएफ परिणाम में लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राएं छा गए हैं। अपनी मेहनत और लगन के सहारे कला संकाय के 250 परास्नातक छात्र-छात्राओं ने नेट-जेआरएफ पास कर असिस्टेंट प्रोफेसर के लिए अर्हता प्राप्त की है। शिक्षाशास्त्र की हिरा कुदसिया 99.76, प्राचीन भारत इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के अनिकेत सिंह 99.64, मध्यकालीन और आधुनिक इतिहास की अनन्या गुप्ता 99.41 तथा अंग्रेजी विभाग की विनीता राय 99.37 पर्सेंटाइल के साथ परीक्षा में शीर्ष स्थान पाने वालों में शामिल हैं।

हिरा कुदसिया

अनन्या गुप्ता

विनीता राय

अनिकेत सिंह

अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि 198 से अधिक विद्यार्थी नेट उत्तीर्ण कर असिस्टेंट प्रोफेसर के लिए एवं 40 से अधिक छात्र-छात्राओं ने असिस्टेंट प्रोफेसर के लिए अर्हता के साथ जूनियर रिसर्च फेलोशिप भी प्राप्त की है।

उन्होंने बताया कि नेट जेआरएफ उत्तीर्ण करने वालों में सर्वाधिक 43 विद्यार्थी समाजशास्त्र विभाग से हैं। इसके अलावा शिक्षाशास्त्र से 24, राजनीति विज्ञान विभाग से 20, समाज कार्य से छह, प्राचीन भारत इतिहास से तीन, मनोविज्ञान से पांच, हिंदी से 17, व्यावहारिक अर्थशास्त्र से छह, पत्रकारिता से पांच, शारीरिक शिक्षा से एक, मध्यकालीन और आधुनिक इतिहास से पांच, फारसी से एक, पश्चिमी इतिहास से पांच, भूगोल से 10 अर्थशास्त्र से 12, लाइब्रेरी साइंस से पांच, अंग्रेजी से 17, दर्शन शास्त्र से दो, वाणिज्य से 13, सांख्यिकी से तीन, विधि से पांच, उर्दू से एक, लोक प्रशासन से दो एवं ललित कला से सात छात्र-छात्राएं हैं।

TOI PAGE 3

'Don't know an answer in interview? Confess'

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Confessing that you don't know the answer is better than making blind guesses during an interview, said IIM-Tiruchirappalli director Pawan Kumar Singh during a lecture at Lucknow University on Saturday.

The lecture was organised by Institute of Management Studies under its 'Manthan: Brainstorming with Management Leaders' session.

Addressing young management students of LU, Pawan spoke about cultures at workplaces and said: "Organisational culture is the pattern of shared values and believes that help individuals understand the functioning of an organisation. One should understand the organisational culture whether it is a strong or weak."

LECTURE AT LU

He said an organisation has a strong culture when it has well-defined rules and regulations, especially what to wear to the office while in a weak culture there is no hard and fast rules.

"Both organisational patterns are fine and it depends on the choice of a person to work for which," he said.

The director also mentored students on how to resolve complexities of life fear, apprehension and others. "Deal with the complexities of life to become better, try to solve it than to escape from it," said Singh.

He also addressed faculty members of IMS and inspired them to focus on teaching, training, research, consultancy and academic administration.

129 केंद्रों पर होगी बीएड प्रवेश परीक्षा

लवि ने पांच जिलों में केंद्रों की प्रस्तावित सूची बुंदेलखंड यूनिवर्सिटी को भेजी

जासं, लखनऊ : संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा की तैयारी शुरू हो चुकी है। शासन ने इस बार प्रवेश परीक्षा के आयोजन की जिम्मेदारी बुंदेलखंड यूनिवर्सिटी, झांसी को दी है। वहां से आए निर्देश के बाद लखनऊ विश्वविद्यालय ने अपने सम्बद्ध पांच जिलों लखनऊ, सीतापुर, हरदोई, लखीमपुर खीरी और रायबरेली में बीएड प्रवेश परीक्षा के लिए 129 केंद्रों की प्रस्तावित सूची भेज दी है।

प्रवेश परीक्षा के आयोजन के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलसचिव संजय मेधावी नोडल अधिकारी और चीफ प्राक्टर प्रो. राकेश द्विवेदी कार्डिनेटर बनाए गए हैं। प्रो. द्विवेदी ने बताया कि लवि से जुड़े अन्य जिलों में इस प्रवेश परीक्षा के लिए एक डिप्टी नोडल अधिकारी और एक नोडल कार्डिनेटर बनाया गया है। जिलों से केंद्रों का भौतिक सत्यापन कराने के बाद जिला प्रशासन की सहमति के बाद परीक्षा केंद्रों की प्रस्तावित सूची बुंदेलखंड यूनिवर्सिटी को भेज दी गई है। वहां से सूची फाइनल की जाएगी।

लखनऊ में 32,055 अभ्यर्थी देंगे प्रवेश परीक्षा : प्रवेश परीक्षा के लिए लखनऊ से करीब 32,055 अभ्यर्थी शामिल होंगे। रायबरेली में 7150, हरदोई में करीब 6150, सीतापुर में 5510 और लखीमपुर खीरी में 8086 को मिलाकर 58 हजार से ज्यादा अभ्यर्थी शामिल होंगे।

बीएड की स्थायी सहयुक्तता के लिए 30 तक भेजनी होगी स्थलीय रिपोर्ट : शासन ने बीएड पाठ्यक्रम की सहयुक्तता के निस्तारण के लिए समय सीमा निर्धारित कर दी है।

पांच जिलों में केंद्रों की संख्या

लखनऊ	66
रायबरेली	18
सीतापुर	14
हरदोई	13
लखीमपुर	18

इसका रखें ध्यान

- प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन बिना लेट फीस : 15 मई
- लेट फीस के साथ आवेदन : 16 से 20 मई
- प्रवेश पत्र जारी होने की प्रस्तावित तिथि : आठ जून
- संयुक्त प्रवेश परीक्षा : 15 जून

उसी क्रम में लवि ने भी कालेजों को निर्देश जारी किए हैं। कुलसचिव संजय मेधावी ने बताया कि लखनऊ, सीतापुर, हरदोई, लखीमपुर खीरी और रायबरेली में पहले से संचालित ऐसे बीएड पाठ्यक्रम जिनकी सम्बद्धता या सहयुक्तता 30 जून को समाप्त हो रही है, उन्हें आगामी सत्र 2023-24 से स्थायी सहयुक्तता के लिए स्थायी निरीक्षण रिपोर्ट 30 अप्रैल तक लवि को उपलब्ध करानी होगी। ऐसा न करने पर आगामी सत्र में बीएड कोर्स में प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। इसके लिए कालेज स्वयं उत्तरदायी होंगे।

'बेहतर इंसान बनने के लिए जीवन की जटिलताओं से निपटें'

आइआइएम तिरुचिरापल्ली के निदेशक प्रो. पवन कुमार सिंह ने लवि के आइएमएस में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों को बताए सफलता के मूल मंत्र • सौजन्य से लवि

जासं, लखनऊ : इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट साइंसेज में शनिवार को मंथन 'मैनेजमेंट लीडर्स के साथ ब्रेनस्टार्मिंग' का आयोजन किया। मुख्य अतिथि आइआइएम तिरुचिरापल्ली के निदेशक प्रोफेसर प्रो. पीके सिंह ने सफलता के टिप्स दिए। कहा कि बेहतर इंसान बनने के लिए जीवन की जटिलताओं से निपटना जरूरी है। उन्होंने मजबूत व कमजोर संस्कृति के बारे में बताया। प्रो. पीके सिंह ने आइएमएस के संकाय सदस्यों को शिक्षण, प्रशिक्षण, अनुसंधान, परामर्श और शैक्षणिक प्रशासन पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर आइएमएस की ओएसडी प्रो. विनीता ने प्रो. पीके सिंह का स्वागत किया। डा. अमिताभ ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

'ई-कामर्स और बैंकिंग क्षेत्र में सबसे ज्यादा शिकायतें'

लवि के द्वितीय परिसर में शनिवार को लवि मूट कोर्ट एसोसिएशन की ओर से 'राइट टू रिपेयर और कंज्यूमर प्रोटेक्शन ला इन इंडिया' विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि चेयर आन कंज्यूमर ला एंड प्रैक्टिस (केंद्रीय उपभोक्ता मामले मंत्रालय), नेशनल ला स्कूल आफ इंडिया यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु के प्रोफेसर अशोक आर पाटिल रहे। उन्होंने 'उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019' के विभिन प्रविधानों का जिक्र किया। बताया कि वर्ष 2020-21 में राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग में सबसे ज्यादा शिकायतें ई-कामर्स और बैंकिंग एरिया से संबंधित मामलों में दर्ज की गईं। मुख्य वक्ता जीडी गोयनका विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर अमित सिंह ने भी विभिन्न बिंदुओं पर विचार रखे।

भारतीय विज्ञान कांग्रेस से वैज्ञानिक संस्थानों को जोड़ने की तैयारी

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय जनवरी में होने वाले 109वें भारतीय विज्ञान कांग्रेस के वार्षिक सम्मेलन में शहर के प्रमुख वैज्ञानिक संस्थानों एवं केजीएमयू को भी साथ जोड़ने की तैयारी कर रहा है। इस क्रम में संस्थानों के साथ हुई बातचीत सकारात्मक रही है। इन संस्थानों में कुछ कार्यक्रम के सत्र आयोजित किए जाने की योजना है।

22 साल बाद भारतीय विज्ञान कांग्रेस की मेजबानी मिलने के बाद कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने तैयारी की बागडोर संभाल रखी है। आयोजन सचिव प्रो. एसपी त्रिवेदी ने बताया कि भारतीय विष विज्ञान अनुसंधान संस्थान (आइआइटीआर) में पर्यावरण सत्र, केंद्रीय औषधीय एवं सुगंध पौधा संस्थान (सीमैप) में कृषक सम्मेलन, राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान (एनबीआरआइ) में प्लांट साइंस और चिकित्सा विज्ञान के सत्र को केजीएमयू में कराने के लिए वार्ता हुई है।

14 सत्र और सात इवेंट होंगे : पांच दिवसीय वार्षिक सम्मेलन में कुल 14 सत्र और सात इवेंट आयोजित किए जाएंगे। इसमें कृषक सम्मेलन, शिशु विज्ञान कांग्रेस, महिला विज्ञान कांग्रेस सहित कई अन्य शामिल हैं। सम्मेलन में विज्ञान प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी।

कार्यशाला : लखनऊ विश्वविद्यालय के अंग्रेजी एवं आधुनिक यूरोपीय भाषा विभाग द्वारा शनिवार को टैगोर पुस्तकालय सभागार में नाटक लेखन में कौशल विकास पर एक-दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 5

LU के छात्रों ने फहराया परचम

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय के कला संकाय के परास्नातक छात्रों ने एक बार फिर बड़ी संख्या में नेट-जेआरएफ परीक्षा के लिए असिस्टेंट प्रोफेसर के लिए अर्हता प्राप्त की है बल्कि जेआरएफ में भी सफलता प्राप्त की। अभी तक प्राप्त आंकड़ो के अनुसार 250 से अधिक छात्र-छात्राओं नेट/ जेआरएफ में सफलता प्राप्त की। जिसमें 198 से अधिक नेट-उत्तीर्ण कर असिस्टेंट प्रोफेसर के लिए एवं 38 से अधिक छात्र-छात्राओं ने असिस्टेंट प्रोफेसर के लिए अर्हता के साथ जूनियर रिसर्च फेलोशिप भी प्राप्त की है, जिसके अन्तर्गत शोध के लिए छात्रवृति भी मिलेगी।

अब तक छात्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार नेट/ जेआरएफ उत्तीर्ण करने वाले छात्रों मे सर्वाधिक छात्र समाजशास्त्र विभाग (43) से है इसके बाद क्रमशः शिक्षाशास्त्र (24), राजनीति विज्ञान विभाग (20) के छात्र शामिल रहे । इन विभागों के अतिरिक्त समाज कार्य (6), प्राचीन भारत इतिहास (3), मनोविज्ञान (5), हिंदी (17), व्यवहारिक अर्थशास्त्र (6), पत्रकारिता (5), शारीरिक शिक्षा(1) , मध्यकालीन और आधुनिक इतिहास (5), फ़ारसी (1), पश्चिमी इतिहास (1), संस्कृत (4), भूगोल (10), अर्थशास्त्र (12), लाइब्रेरी साइंस(5), अंग्रेजी (17), दर्शन शास्त्र (2). वाणिज्य (13), सांख्यिकी (3), विधि (5), उर्दू (1), लोक प्रसाशन (2) एवं ललित कला (7) विभागों के छात्र शामिल रहे । शिक्षाशास्त्र की हीरा कुदेशिया (99.76 प्रतिशत), प्राचीन भारत इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के अनिकेत सिंह (99.64 प्रतिशत), मध्यकालीन और आधुनिक इतिहास की अनन्या गुप्ता (99.41) तथा अंग्रेजी विभाग की विनीता राय (99.37 प्रतिशत) परीक्षा मे शीर्ष स्थान पाने वालों मे शामिल रहे ।राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी द्वारा आयोजित यूजीसी राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (एनईटी), डॉक्टरेट अनुसंधान के लिए छात्रों को विश्वविद्यालयों मे और अनुसंधान संस्थानों मे शोध कार्य के लिए फेलोशिप देती है और परास्नातक स्तर की भारत की सबसे कठिन परीक्षाओं में से एक है। यह विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों में सहायक प्रोफेसर बनने के मानदंडों में से एक है और यह कई अन्य कैरियर के अवसरों के द्वार भी खोलती है। लखनऊ विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने सफल छात्रों और उनके शिक्षकों एवं माता-पिता को उनकी इस शानदार उपलब्धियों के लिए बधाई दी।

- यूजीसी-नेट जेआरएफ परीक्षा
- 198 से अधिक नेट-उत्तीर्ण कर असिस्टेंट प्रोफेसर व 38 से अधिक ने जेआरएफ में पाई सफलता

एजेंसी द्वारा आयोजित यूजीसी राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (एनईटी), डॉक्टरेट अनुसंधान के लिए छात्रों को विश्वविद्यालयों मे और अनुसंधान संस्थानों मे शोध कार्य के लिए फेलोशिप देती है और परास्नातक स्तर की भारत की सबसे कठिन परीक्षाओं में से एक है। यह विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों में सहायक प्रोफेसर बनने के मानदंडों में से एक है और यह कई अन्य कैरियर के अवसरों के द्वार भी खोलती है। लखनऊ विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने सफल छात्रों और उनके शिक्षकों एवं माता-पिता को उनकी इस शानदार उपलब्धियों के लिए बधाई दी।

मूट कोर्ट सेमिनार

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्व विद्यालय के नवीन परिसर में मूट कोर्ट एसोसिएशन द्वारा सेमिनार का आयोजन किया गया । सेमिनार का मुख्य विषय 'राइट टू रिपेयर और कंज्यूमर प्रोटेक्शन लॉ इन इंडिया' रहा । इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रोफेसर (डॉ.) अशोक आर पाटिल (चेयर प्रोफेसर, चेयर ऑन कंज्यूमर लॉ एंड प्रैक्टिस (उपभोक्ता मामले मंत्रालय भारत सरकार) , नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी रहे ।

THE PIONEER PAGE 3

LECTURE

The department of chemistry, Lucknow University, organised a special lecture by Dr Anand Dev Tiwari, department of translational haematology and oncology research, Taussig Cancer Institute, Cleveland Clinic. The speaker was introduced to the audience by Dr Neeraj Kumar Mishra. In his lecture on 'Small molecule drugs for epigenetic targets: Big future in medicine', Tiwari said that cancer treatment is still a challenge for global health systems despite many pharmacological and therapeutic discoveries that have been made. He said cancer is associated with the epigenome and its potential malleability has generated enthusiasm to explore its reversion to change disease phenotype. He said efforts should be made to determine more detailed structure activity relationships (SARs) of small molecules.

Over 200 LU students crack NET, JRF exam

Lucknow (PNS): More than 200 students of Lucknow University's Faculty of Arts have cracked UGC-NET and JRF exam. Over 170 students have qualified for the post of assistant professor while more than 40 have become eligible for the JRF (Junior Research Fellowship). LU spokesperson said the maximum number of these students are of the department of sociology (43), followed by education (24) and political science (20).

Hira Qudsiya (99.76%) of education department, Aniket Singh (99.64) of ancient Indian history & archaeology, Ananya Gupta (99.41) of medieval & modern history and Vinita Rai (99.37%) of English & modern European language are among the toppers. The UGC National Eligibility Test (NET) conducted by the National Testing Agency awards fellowships to students for doctoral research in universities and research institutes and is one of India's toughest post-graduate level examinations.

Lucknow University Vice-Chancellor Prof Alok Kumar Rai and DSW Prof Poonam Tandon congratulated the successful students and their teachers & parents.

HINDUSTAN TIMES PAGE 3

Over 200 LU Arts faculty PG final students crack UGC NET/JRF

HT Correspondent

letters@htlive.com

LUCKNOW : Postgraduate (PG) final year Arts faculty students of Lucknow University (LU) have not only cleared University Grants Commission-National Eligibility Test or UGC NET in large numbers but have also cracked the Junior Research Fellowship (JRF).

As per the data received so far, more than 200 students have got success in NET/JRF. Of them, 170 students have qualified to become assistant professor while more than 40 students have qualified for JRF under which they will also receive scholarship for research.

The National Testing Agency (NTA), which conducted the exam, announced results of UGC NET 2023 result for December 2022 edition on Friday (April 14).

According to the information received from the students so far, maximum 43 students of sociology department of the university have cleared the NET. They are followed by the students of education department (24) and department of political science (20).

Also, social work department students (6